युणिधिवउवाम किंग्णयनुम्भेभृष्ट **इभन्केक्सभ**राज उम्बंधयउद्भन ह जे भिउवकम व म्री हणवानुवाम मुक्षारण मुज्र वंद ण्सं द्वारा भुन सन

मदं उक्च यिष्ट्रिभ नरके जुरुल भद्र छेकग्रू इभ्रुसु **ए २ एः भा**भेड्रियेल यहद्भनमभुभु भवसाभुद्भन्नभः मुउठ्य ठ्वाम भवकुउरणगरुउ

7.

2

नभेभङ्गयज्ञमय अलभ्डउयनभः नभसुभचलक्स भजधमधभवारण नभेयद्भवग्जय नगिक्षितयवैनभः श्चित्र**भागगभाग** यें जुल्यन ग्यम

नभसुक्भापायगिष क्रियम्भयम् चन उपाय यु उपारे रुभम्युयवनभः भमक्रकनम्य मद्भगयनभन्भः गभयविश्वरुपय वभूमवायवेनभः

धीडसुगयम्यय येणवङ्गयवनभः भिड्रिधिविरासारा **५३** कु उ य वे न भ इङ्गल्ययुर्ध्य महारायाजनभः जारमभुउधार्य भन्न ३ थायवेन भः

मेभयभद्रधप्य प्रविन ज्यवेनभः थरमेसुरदुथयान भःसीवङ्गपिल विष्ठ्य भेडी बड़ भवर्षिनभे भुड **५**सीमभग्नीनश्र ठ जिस्त्र सभापव

चुमलाउयम्य उद्यन्त्र म्याभू म गुज्जान्यपम् चक्रकल्डम्म स्ट्र भवंडरद्रभाभच भचार्त्र सच्याप नभसुम्बम्बस् यम्थश्चितिकरण

उष्टायनभस्क थायहै।ज्ञाभाष्ट्रह नगक्तवधारङ्ग **४** कुरु के बन्दवा भिड्यानभस्ट मस्डिभ सभूजु 93 उम्र इउह भी क्स भवजुउसक्सव

भज्रस्य किमंग्ड्स वस्य अभी ग्रम 3(५िअन्त्र राज्य सम्बर्य लेखि यभन्नक्नथञ्च नग्क्रमज्जुडः धनः स्राज्यभगित्र एयन्थियु विधिन

भज्याउक्रात्वे मुगुडभचथाउकः चुगरंग्रमसुद भूभे डिधरभाषिय मुज्ञभागुरुभाधि उद्यिश्चिः धरभेधरम नग्केउपले भुड़ यथिश्र तिभानवः

गञ्जिथनमेश्रुपं यश्रियम् केमवः छंडिये से स्थार थरंभग्रथ मुनिभ रयः विवीचमञ् ग्उउभा उद्गिप

भिविपष्टविरुग वंभःभभित्र उवि भ्रद्भ गमे थरमा . 11 ५ विन्य के उपने

11

शसमुभा

13

दिविन्मिड्डाभाना थविङ्ग्थापनामि नीभ निरुध०डि. चिभर्भुभुरु दृष्ठि कमराः ॥ द्रिदिविद्यासमाल सुरुभा॥





Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

मिस नहीं किस हो उडि पर्यातन भेगना कुन विषय अभागन काउन्डभागा ममण् अञ्चलम्बिङ व अडमी क्लिकिन के गद्दा श नशल हें नगयां नभभू ड नरंग्रेवनचित्रभभा ग्वीभग्भं अञ्चल उडे एप्यभू मीर्ये इ नग्यलेल नहींल भुगले भुक्षे उस्भा थद्थाञ्चितिय स्ट्रा याः भेरेयिष्टितः

रिक्व इस्क्री स्विभक्तभागग्य मुसिधइवराष्ट्रादि मह्मञ्जू गरा धर जेश्रीथक मन्द्रव था दिसंसा गणगां भवीगः कुल्लु अ परिमेण कर सुरूष

अग्रुगच्य अरीमा इ दिसंभय अभन मभक्तमा भुवादिर वंशश्चामुक्त थादिभाक्यसम्बर्धि मरणगउवर्न उद्याधिक कर्त्रेः पीर्वयश्भावतः

1

इसाइभाक्षान्य धारिमा ठ ज्वा कुल उथुवान्त्र इसम् मन्मलुपभग्निः: इस इस द्वारा थादिनंक्रणिशः .93 इक्सनउथाउउ भन्धयर्थम्

भद्रास्थर्व शु कि भेर के सन्भन षर्यमनाकृष्येग यभनेके श्रीष्ठियः उद्योगम्भ भ देश नभस्भुभद्भमः **उद्येति गडशा**धे ठित्र इथिकसव

नः